The Jute Commissioner in exercise of the powers conferred as per section 3(3) of Jute and Jute Textiles Orders, 2000, fixes a price of jute bags with the linkage of raw jute to support the farmers to give minimum statutory price. The price fixed by Jute Commissioner is against compulsory linkage of raw jute. Awarding orders to private tenderers lead to corruption and unhealthy competition. Some States suffered heavily due to late supplies and bad quality, particularly Haryana. JCI has sought explanation from these States which have flouted his notification. The market price was much lower than JCI rate with no linkage of compulsory purchase jute. This tender process is affecting the quality of bags. which is creating unhealthy competition and encouraging corruption.

Hence, I urge upon the Government to ensure that all States follow the official guidelines of the Jute Commissioner for the purchase of Jute Bags.

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल): सभापति जी, मैं इसका समर्थन कर रही हूं। इस सिलसिले में हड़ताल भी होने वाली है।

श्री सभापति: आप ऐसोसिएट करिए, मगर आगे आपका नंबर है उस पर मत बोलिए। अगला-श्रीमती सरला माहेश्वरी।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: सभापति जी।

श्री सभापति: अब आपने ऐसोसिएट्स कर दिया, क्यों बोल रही हैं?

Strike by employees of All India Rural Banks Association

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल): सभापति जी, मैं आपके माध्यम से इस विशेष उल्लेख के जरिए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को पुनर्गठित करके उन्हें अखिल भारतीय राष्ट्रीय ग्रामीण बैंक का रूप देने के संबंध में माननीय वित्त मंत्री का ध्यान दिलाना चाहूंगी। चूंकि माननीय वित्त मंत्री जी यहां पर मौजूद हैं, इसलिए मुझे खुशी है कि वे मेरे इस विशेष उल्लेख की ओर ध्यान देंगे। माननीय वित्त मंत्री जी मैं आपको भी संबोधित कर रही हूं अपने विशेष उल्लेख के जरिए, कृपया ध्यान देंगे।

वित्त मंत्री (श्री जसवंत सिंह): जी, बोलिए।

श्री सभापति: आपको कोई दूसरा रिक्वेस्ट करता तो शायद ध्यान नहीं देते, लेकिन सरला जी ने रिक्वेस्ट किया इसलिए ध्यान दे रहे हैं।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: सभापति जी, मैं चाहूंगी कि आप इनको निर्देश दें।

श्री सभापति: बिना निर्देश के आपका हुक्म मान लिया।

श्री जसवंत सिंह: सभापति जी, मैंने कहा कि इस पद पर बैठने के बाद चारों तरफ से डांट पडती है, विशेषकर महिलाओं से। घर में जाओ तो महिला से डांट, यहां आओ तो महिला से डांट।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: सर, चारों तरफ महिलाओं का साम्राज्य है।

श्री सभापति: एक दिन आप मुझे अपने घर बुला लीजिए। डांट का इंतजाम मैं कर दूंगा कि डांट का अधिकार मुझे है किसी महिला को नहीं है। चलिए, सरला जी, आप बोलिए।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: सभापति जी, आल इंडिया रूरल बैंक एम्पलाइज एसोसिऐशन द्वारा रीजनल रूरल बैंक के पुनर्विन्यास की मांग लम्बे अर्से से उठाई जा रही है, लेकिन सरकार इस ओर कुछ ध्यान नहीं दे रही है। अभी एसोसिऐशन द्वारा दिल्ली में लगातार सप्ताह व्यापी भूख हड़ताल चलायी जा रही थी तथा 12 दिसम्बर को विराट धरने का आयोजन किया गया था। मैंने भी एकाधिक बार इस मांग को इस सदन में उठाया है, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

सभापति जी, देश भर में 196 रीजनल ग्रामीण बैंक हैं तथा 14,500 शाखाएं हैं और ये 511 जिलों में कार्यरत हैं। करीब 70,000 श्रमशक्ति इसके साथ जुड़ी हुई है। इन बैंकों में भारत सरकार के स्वामित्व का हिस्सा 50 प्रतिशत है, स्पोन्सर्ड बैंक का 35 प्रतिशत तथा राज्य सरकार का 15 प्रतिशत है। भारत सरकार की ओर से अतिरिक्त पूंजी सहयोग 1050 करोड़ स्पोन्सर्ड बैंक का 735 करोड़ तथा राज्य सरकारों का 315 करोड़ है। भारत सरकार नाबार्ड, आरबीआई, राज्य सरकार तथा स्पोन्सर्डबैंक, स्टेट बैंक आफ इंडिया के 14 लोकल कार्यालय, कुल मिलाकर इन रीजनल रूरल बैंक के 45 मालिक हैं, जो अपने अपने ढंग से विभिन्न दिशाओं में इनको चलाते रहते हैं, जो एक बड़ी परेशानी का कारण बना हुआ है। इन्हीं सब संदर्भों में एसोसिऐशन ने यह मांग की है कि- सभी रीजनल बैंकों को मिलाकर स्टेट लेवल/जोनल लेवल रूरल बैंक के आधार पर संगठित किया जाये .... तथा इन सबको एक स्वतंत्र पब्लिक सैक्टर बैंकिंग इंस्टीट्यूशन यानी नेशनल रूरल बैंक या रूरल बैंकिंग कार्पोरेशन अथवा नाबार्ड के तहत रखा जाए। रीजनल रूरल बैंकों में सरकारी शेयरों का विनिवेश न किया जाए।

आर०आर०बी० का स्पोंसर्ड बैंक में विलय न किया जाए बल्कि आर०आर०बी० को उनसे अलग कर दिया जाए। आर०आर०बी० का अपना अलग अस्तित्व हो जो सिर्फ ग्रामीण ऋण केन्द्र तथा राज्य स्तर पर देने का काम करे। इनमें काम करने वाले कर्मचारियों के बारे में एक स्पष्ट नीति होनी चाहिए, उनकी प्रोन्नति के उचित अवसर होने चाहिए।

सभापति जी, मैं इतना तो जरूर कहना चाहूंगी कि इस धरने में, 12 दिसम्बर को जो धरना हुआ, उसमें सभी पार्टियों के प्रतिनिधियों ने, सांसदों ने हिस्सा लिया और इस मांग का समर्थन किया। वित्त मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, कम से कम इस बार तो आप आश्वस्त कर दीजिए कि आप क्या कर रहे हैं। लोग भूख हड़ताल कर रहे हैं। यह 70,000 लोगों का ही नहीं बल्कि हमारी पूरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का प्रश्न है।... (**व्यवधान**)...

SHRI PRASANTA CHATTERJEE (West Bengal): The Bengal Assembly has passed a unanimous decision ....(*Interruptions*)...

श्री सभापति: आप बैठिए ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए, यह नहीं होगा। (**व्यवधान**)... यह नहीं हो सकता। ...(**व्यवधान**)... श्री टी०एस० बाजवा। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सरला माहेश्वरी: सभापति जी, आप वित्त मंत्री जी से कहिए न। ...(**व्यवधान**)... सभापति जी, आप तो गांव से आते हैं, आप वित्त मंत्री जी से कहिए न। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मेरी बात तो सुनिए आप। ...(**व्यवधान**)... प्लीज़ टेक यूअर सीट। ...(**व्यवधान**)... आप खड़े क्यों हैं, आप बैठिये तो सही। आपने स्पेशल मेंशन दिया है, फाइनेंस मिनिस्टर साहब यहां हैं ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Mr. Bajwa ...(*Interruptions*)... Please take your seat (*Interruptions*)...

SHRI JANARDHANA POOJARY: Sir, all the banks in the rural India have been closed ...(*Interruptions*)... Sir, you come from rural India ....(*Interruptions*)... The banks are being closed...(*Interruptions*)... What sort of Finance Minister he is ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति आप बैठिए। मैटर सीरियस है। ...(**व्यवधान**)... माफ करना, इस तरह से आप सीरियसनैस खत्म कर रहे हैं। मामला इन्होंने भी बहुत सीरियसली उठाया है। बहुत सीरियसली उठाया है न, कोई कमी नहीं की न? कमी नहीं की तो दोबारा उनको सपोर्ट करने के बजाए मैं माननीय मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि जल्दी से जल्दी इसका जवाब दिया जाए।

श्री जसवंत सिंह: आपकी आज्ञा शिरोधार्य है। हम ऐसा करेंगे। जहां कर्मचारी स्ट्राइक पर जाएं, आवश्यक नहीं कि सांसद भी स्ट्राइक पर जाएं।

श्री सभापति: श्री टी॰एस॰बाजवा, नहीं हैं। श्री बी॰जे॰ पंडा। ...(**व्यवधान**)...

شری خان غفران زاہدی: سر، 14,000 برانچز بند ہو رہی ہیں، 70,000 آدمی بیکار ہونے جا رہے ہیں، ہم نہیں جائیں گے تو کون جائے گا؟ ۔۔۔۔۔مداخلت۔۔۔۔۔

†**श्री खान गुफ़रान ज़ाहिदी:** सर, 14,000 बांचिज़ बंद हो रही हैं, 70,000 आदमी बेकार होने जा रहे हैं, हम नहीं जाएंगे तो कौन जाएगा? ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सरला माहेश्वरी: सर, इतने लम्बे अरसे से आन्दोलन चल रहा है और मंत्री जी जवाब ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आन्दोलन कई जगह चलते हैं, मंत्री जी आश्वासन देते हैं, आन्दोलन चलते रहते है, यह एक प्रक्रिया है।

श्रीमती सरला माहेश्वरी: यह कब से चल रहा है।

श्री सभापति: बहुत लम्बे चलते हैं। ...(**व्यवधान**)... ठीक है, बात हो गई। श्री बी॰जे॰ पंडा. ..(**व्यवधान**)...

SHRI JANARDHANA POOJARY: Sir, it is a very serious issue ... (*Interruptions*)... The branches in the rural areas are being closed ...(*Interruptions*)... The farmers are suffering ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: आप बैठिए। बोलिए, पंडा जी, आप बोलिए। ....(**व्यवधान**)...

شری خان غفران زاہدی: سر، آپ دیکھئے تو کہ کیسے ہو رہا ہے۔

†**श्री खान गुफ़ान ज़ाहिदी:** सर, आप तो किसानों के बड़े हिमायती हैं, आप देखिए तो कि कैसे हो रहा है। We are representing the farmers. It should be discussed here... (*Interruptions*)...

श्री सभापति: इसीलिए कह रहा हूं कि एक बार मामला किसानों के लिए अच्छी तरह से रख

†Transliteration of Urdu Script.

दिया जाए वह ज्यादा अच्छा है, बनिस्पत इसके लिए उस मामले में 20 लोग खड़े हों और किसी की नहीं सुनी जाए। Please, don't disrupt the proceedings.. (*Interruptions*)...

SHRI JANARDHANA POOJARY: In the rural India, even the nationalised banks are closed... (*Interruptions*)... I was in the Finance Ministry. That is why I am very much concerned about it ... (*Interruptions*)...

†شری خان غفران زاہدی: سر، یہ معاملہ بہت سیریس ہے۔۔۔۔مداخلت۔۔۔۔۔

†**श्री खान गुफ़रान ज़ाहिदी:** सर, यह मामला बहुत सीरियस है। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सरला माहेश्वरी: इनका तो इतना कहना है कि अन्दोलन करना आपका धर्म है, लटकाना मेरा धर्म है, यह तो नहीं चल सकता। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: सरला जी, आप तो समझदार हैं, आप बैठ जाएइ। बोलिए पंडा जी।

Need to stop misuse of disposable syringes in the country

SHRI B.J. PANDA (Orissa): Sir, thank you for permitting me to raise this important issue of serious menance of disposable syringes.

Sir, disposable syringes are found scattered alongside bandages, infected human body parts and stained cotton balls in dumps on the backyard of the hospitals. In the dead of night, scavengers make their way to the dump and collect these infected piece of plastic, sell them to *kabariwalas* who pass them on to unscrupulous re-packagers and soon these disposable syringes make their way to nursing homes. Infected syringes are believed to be significant contributors to the spread of infections like HIV and Hepatitis-B. The World Health Organisation estimates that between 80,000 and 1,60,000 people are infected because of unsafe injections which are wholly preventable. India has the second largest pool of Hepatitis-B carriers in the world. Studies conducted worldwide show a direct co-relation between the reuse of syrings and spread of infection. In our country, we have a mind-set of recycling. It is found that clandestine operators put disposable syringes to use again without dis-infection. The world over the trend is to move towards single use, auto-disabled syringes, which break or jam after one time use. These auto-disabled syringes are, however, not manufactured in our country. Sir, 85 per cent of health care services in our country are in private hands

†Transliteration of Urdu Script.